जय जय महाश्रमण

नारीलोक

अध्यक्षीय कार्यालय :

श्रीमती कुमुद कच्छारा
अम्हेर ज्वेलरी, ऑफिस नं. 6
लक्ष्मी भुवन, आनन्दजी लेन
रसिकलाल ज्वेलर्स के सामने
एम.जी. रोड़, घाटकोपर (ई)
मुम्बई – 77
मो. : 9833237907
e-mail : kumud.abtmm@gmail.com

अंक 241 | पंजीकृत कार्यालय : 'रोहिणी', अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल, लाडनूं (राजस्थान) | जुलाई 2018

अध्यक्षीय

तुलसी का अवदान, नारी का उत्थान

utthan
तुलसी का अवदान - नारी का उत्थान

प्रिय बहनों,

सादर जय जिनेन्द्र !

बीसवीं सदी में एक युगपुरुष जन्मा था गांधी, जिसकी पहचान बनी, शरीर पर लंगोटी, कंधों पर चददर, हाथ में लाठी, तेज गति, तेज सोच, तेज निर्णय का समन्वित मानव। जिसने बिना शस्त्र संकल्प शक्ति को हथियार बनाकर ब्रिटिश सत्ता की गुलामी से देश को स्वतंत्र करवाया। स्वतंत्रता के इतिहास का एक कालजयी व्यक्तित्व था गांधी।

उसी सदी में अध्यात्म के क्षेत्र में एक युगपुरुष जन्मा, जिसकी पहचान बनी, मैं पहले मानव हूं, फिर संत, फिर आचार्य और फिर जैन। मानवता के कल्याण में अपनी सारी शक्ति, श्रम, संयम और संघीय कर्तृत्व को जोड़ दिया। सम्प्रदाय की सीमाओं में एक प्रतिबद्ध व्यक्तित्व का अभ्युदय संपूर्ण मानवजाति के इतिहास का अमिट आलेख बन गया।

महात्मा गांधी ने अपने विचारों एवं कार्यक्रमों से नारी आन्दोलन को तेज बनाने का लक्ष्य बनाया। उनके प्रयत्न से सामाजिक एवं राजनैतिक क्षेत्र में अनेक महिला चेहरे अचानक उभरकर सामने आए, मगर आम औरत की जिंदगी में कोई बहुत बड़ा परिवर्तन परिलक्षित नहीं हुआ। ठीक उसी समय आज से लगभग छः दशक पूर्व आचार्य तुलसी ने भी चाहा कि महिलाओं की जीवनशैली में बदलाव आए। इस चाह को पूरा करने के लिए तथा समाज के बढ़ते हुए आर्थिक बोझ तथा सामाजिक विकृतियों को दूर करने के उद्देश्य से उन्होंने तेरापंथ द्विशताब्दी समारोह के पावन अवसर पर राजनगर में अणुव्रत आंदोलन के अंतर्गत 'नए मोड़' का सिंहनाद फूंका और इसको जन आंदोलन का रूप देकर नारी जाति को उन्मुक्त आकाश में सांस लेने की जब बात समझाई तब ऐसा लगा मानो भगवान महावीर के बाद यदि नारी का उद्धार करने वाला कोई महापुरुष इस धरती पर अवतरित हुआ है। उस पुनीत बेला ने बहिनों में एक नई चेतना का संचार किया। नए मोड़ का प्रारंभ होने से राजस्थानी बहनों का अपूर्व विकास हुआ और नारी के ''उत्थान'' की यात्रा प्रारंभ हुई। उनके गीत की वो पंक्तियां साकार रूप ले आज चहुँ ओर सामाजिक क्रांति का बिगुल बजा रही है

नया मोड़ हो उसी दिशा में, नई चेतना फिर जागे,
तोड़ गिराएं जीर्ण-शीर्ण जो, अंध रूढ़ियों के धागे।
आगे बढ़ने का यह युग है, बढ़ना हमको सबसे प्यारा।।

आचार्य तुलसी के सत्प्रयासों एवं ओजस्वी वाणी से महिला समाज ने एक नई अंगडाई ली, युग की नब्ज को पहचानकर चलने का संकल्प किया तथा अपनी शक्ति का नियोजन रचनात्मक कार्यों में करने का उपक्रम प्रारंभ कर दिया। इस प्रकार 'नए मोड़' के प्रांरभ से न केवल राजस्थान की अपितु पूरे देशभर की महिलाओं का अपूर्व विकास हुआ। यही विकास उनकी 22 वीं पुण्यतिथि पर उनके समाधि स्थल नैतिकता का शक्तिपीठ गंगाशहर में विराट युवती सम्मेलन 'उत्थान' के रूप में उजागर हुआ है। शक्तिपीठ के इस पवित्र पावन प्रांगण में हमें आत्म चिंतन करना है कि नारी उत्थान की इस संपूर्ण यात्रा में हमारा मौलिक गुणों रूपी कीमती सामान कहीं पीछे तो नहीं छूट गया है ? आधुनिकता के इस युग में अंधानुकरण और आपाधापी से आगे बढ़ते-बढ़ते बीच रास्ते में कहीं हमारे आदर्शों को या नैतिक मूल्यों को भूल तो नहीं आये? अतः गंगाशहर में हम लेंगे एक नया ''**U Turn**'' और पुनः करेंगे आगे बढ़ने का चिंतन। बहनों गंगाशहर आनेवाली बहनों को तो **U Turn** का स्वर्णिम अवसर प्राप्त होगा ही जो बहनें वहां नहीं उपस्थित हुई वो भी आचार्य श्री तुलसी की 22 वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष में इस बात का चिंतन अवश्य करें। क्योंकि आचार्य तुलसी के शब्दों में - ''विकास के लिए बदलाव और ठहराव दोनों जरूरी है। मौलिकता स्थिर रहे और उसके साथ युगीन परिवर्तन भी आते रहें, इस क्रम में विकास का पथ प्रशस्त होता है। महिलाएं अपने प्राकृतिक मौलिक गुणों को सुरक्षित रखती हुई युगीन संदर्भों को पहचाने, अणुव्रत और प्रेक्षाध्यान का जीवन में प्रयोग करें। ऐसा करके ही वे अपनी स्वतंत्र पहचान बना सकती है और अपनी शक्ति का समुचित उपयोग कर सकती है।

अध्यक्षीय

आओ बहनों ! उस परम उपकारी गुरु की अभ्यर्थना में उनके ही सपनों को संकल्प के रूप में स्वीकार करें :-

- हम स्वतंत्र बने, पर हमारी स्वतंत्रता स्वच्छंदता में नहीं बदले इसका ध्यान रखें।
- हम आधुनिक बने, पर आचार, विचार और व्यवहार में संस्कार और संस्कृति की सुरक्षा का सदैव ध्यान रखे।
- हम शिक्षा, व्यवसाय, प्रशासन आदि क्षेत्रों में तरक्की करें, पर परिवार को कभी उपेक्षित नहीं करें।
- हम रीति-रिवाज और परंपरा को निभाएं, पर रूढ़ियों से सर्वथा मुक्त रहे।
- हम जन्मदिन, विवाह, तपस्या या अन्य पर्व-त्यौंहार मनायें, पर आडम्बर और प्रदर्शन को प्रश्रय नहीं दें। सादगीपूर्ण आयोजन में विश्वास करें।
- हम सुविधावादी बनें, पर परिग्रह की सीमा को नहीं भूलें।
- हम व्यस्त रहें, पर दैनिक चर्या में तप, जप, ध्यान, स्वाध्याय आदि को प्राथमिकता अवश्य दें।
- हम मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा कहीं भी जाये, पर हमारे सम्यकत्व को कभी दूषित नहीं होने दें।
- हम किसी भी संस्था में कार्य करें, नाम-पद व प्रतिष्ठा से दूर रहकर श्रावक कार्यकर्ता का परिचय दें।
- हम टेक्नोलॉजी में आगे बढ़े, पर सावधानी के साथ-साथ विवेक भी जगाये रखें।

तुलसी तेरे अवदानों का अमृत मानव प्यास बुझाता, तव करूणा का सागर पल-पल अनहद नाद सुनाता।।

'नये मोड़' से मोड़ा जीवन, पा तेरा अवदान, अवनि-अम्बर में किया, नारी ने उत्थान।।

आपकी अपनी

कुमुद कच्छारा

पूरा जुलाई माह लाया है पर्व एवं उत्सवों की प्रेरणा

वंदना ! वंदना ! वंदना ! महातपस्वी आचार्य श्री महाश्रमणजी की हार्दिक अभिवंदना !!!

हरी चादर ओढ़ने को बेताब धरती, काली कजरारी घटाओं से आच्छन्न गगन। प्राणी मात्र को पुलकित करने वाली पावस की पावन बेला। आठ माह की अनवरत विहारचर्या करते कदमों को मिली है चातुर्मासिक मंजिल, हम अभ्यर्थना करे अध्यात्म पुरुष की, महायायावरी की, अर्चना करे पश्चिम बंगाल से चैन्नई की अनवरत, अविश्रांत, अव्याबाध सुदीर्घ पदयात्रा की।

प्रज्ञारश्मि आचार्य श्री महाप्रज्ञजी के 99 वें जन्मदिवस पर अर्पित है श्रद्धा सुमन !!!

प्रज्ञा की पुनीत रश्मियों से अन्तर को आलोकित करने का करे प्रयास।

तप, जप, ध्यान, स्वाध्याय से जगाये भीतर में नव उल्लास

साधना के शिखर पुरुष आर्य भिक्षु के 293 वां जन्मदिन, 261 वां बोधि दिवस तथा 259 वां तेरापंथ स्थापना दिवस पर!!!

परम तपस्वी परम यशस्वी आचार्य भिक्षु के प्रति तपोमय, श्रद्धामय, कृतज्ञभावों का अनुस्मरण

परमार्थ की दिशा में गतिमान सफर का आदि बिंदु तेरापंथ स्थापना दिवस

प्रणत है तन और मन भिभाराजममाकातुम की परंपरा का निवर्हन कर रहे एकादशम गुरु के प्रति,

अनुप्राणित है चेतन, पाकर आध्यात्मिक संरक्षण

तेरापंथ द्विशताब्दी समारोह की पुनीत बेला में असाधारण साध्वीप्रमुखाश्रीजी ने ली मंगलमय दीक्षा !!!

भिक्षु भूमि की पुण्यधरा पर, कर ली अपनी सही समीक्षा।

नारी जग की शान का, वरद हस्त जीवन सरसाएं

उनसठवें दीक्षा दिवस पर महिला समाज मिलकर बधाएं।।

ऊर्जावाणी

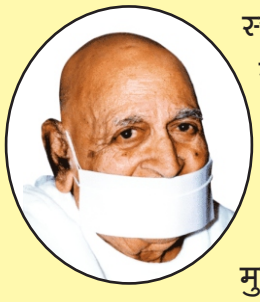

स्त्री में सृजन की अद्भुत क्षमता है। उस क्षमता का उपयोग विश्व शांति या समस्याओं के समाधान की दिशा में किया जाए तो वह सही अर्थ में विश्व की निर्मात्री और संरक्षिका होने का सार्थक गौरव प्राप्त कर सकती है। महिलाएं सोती रही, घड़ी का अलार्म सुनकर भी प्रमाद करती रही तो भी सूरज को तो उदित होना ही है। वह उगेगा और अपना आलोक बिखेरेगा।

मेरे अभिमत से ऐसा कोई कार्य नहीं है, जिसे महिलाएं न कर सकें। महिलाओं की शक्ति पर मुझे पूरा भरोसा है। जिस दिन मेरे इस भरोसे पर महिलाओं को पूरा भरोसा हो जाएगा, उस दिन सामाजिक चेतना में क्रांति का एक नया विस्फोट होगा, जो नव निर्माण की पृष्ठभूमि के रूप में सामने आएगा। मैं उस दिन की प्रतिक्षा में हूँ जब स्त्री समाज का पर्याप्त विकास देखकर पुरुष वर्ग उसका अनुकरण करेगा।

–आचार्य श्री तुलसी

गुरु की गुरुता

जिस महान गुरु ने मेरे जीवन का निर्माण किया, मुझे अपना विश्वास दिया और विश्वास तथा श्रद्धा ली, उस विश्वास को अब चरम बिंदु पर सब लोगों के सामने प्रस्तुत कर दिया, उसके प्रति कुछ भी समर्पित करूं बहुत तुच्छ बात होगी। पूज्य गुरुदेव ने मुझ पर असीम विश्वास किया है। एक छोटे से बालक को एक दिन अपने हाथों में लिया था, आज उसी को अपने बराबर बिठा दिया। मेरे जैसा छोटा सा बच्चा और इतने महान आचार्य! मैं तो इनके सदा चरणों में रहने वाला था और इन्होंने हाथ पकड़कर अपने बराबर बिठा दिया। यह गुरुदेव का गौरव, उनकी महानता, गुरुता और विशालता है कि जिस अबोध बालक को इन्होंने अपने हाथों में लिया और एक दिन उसी बच्चे को अपने बराबर बना दिया और बिठा दिया। इस महानता के प्रति मैं कोई भावना व्यक्त करूं, मेरे पास कोई शब्द नहीं है।

–आचार्य श्री महाप्रज्ञ

अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य श्री तुलसी में अनेक विशेषताएं थी। किसी एक को बताना कठिन है। गुरुदेव में बहुत समर्पण था। अपने समर्पण के बलबूते पर वर्षों तक अपने संघ का संचालन किया। उनमें अपने संघ के लिए समर्पण था। एक आचार्य के निर्देश में संपूर्ण श्रावक समाज और साधु समाज का नेतृत्व किया तथा विभिन्न संस्थाओं का संचालन भी किया यह आपकी विलक्षण साधना का ही परिणाम था। बिना साधना के तो ऐसा संभव नहीं था। आपने बेजोड़ सेवा की है, मुझ पर बहुत उपकार है, एक बच्चे को वात्सल्य देकर उन्होंने उसे सिखाया, मुझ पर ही क्या सब पर उनके उपकार है।

–आचार्य श्री महाश्रमण

जैन स्कॉलर योजना का नया सत्र शीघ्र ही होगा प्रारंभ

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा संचालित जैन स्कोलर योजना का द्वितीय सत्र अक्टूबर माह में संपन्न होगा और त्रिवर्षीय तृतीय सत्र का शुभारंभ शीघ्र ही होगा। अतः आपसे विनम्र अनुरोध है कि आप अपने क्षेत्र के प्रत्येक श्रावक-श्राविका को इसकी जानकारी दें और इस योजना में सहभागिता हेतु प्रेरित करें। सभी शाखा मंडलों से निवेदन है कि इसके बारे में आप प्रवचन, मीटिंग, मासिक गोष्ठी आदि में अवश्य बतायें। युगप्रधान आचार्य श्री तुलसी नारी जाति के उन्नायक थे। उनका स्वप्न था कि जैन धर्म को जन-जन तक पहुँचाया जाये। उसी स्वप्न को जैन स्कोलर योजना द्वारा साकार रूप दिया जा रहा है। उनकी 22 वीं पुण्यतिथि पर इस योजना से जुड़ने का संकल्प करें और चातुर्मास के दौरान अध्ययन प्रारंभ करने की मानसिकता बनाये। आचार्य श्री महाश्रमणजी के मंगल आशीर्वाद से यह योजना सुव्यवस्थित रूप से संचालित की जा रही है। श्रीमती तारादेवी सुराणा परिवार का विशेष सहयोग इस योजना हेतु प्राप्त हो रहा है।

अधिक जानकारी हेतु संपर्क करें :- निर्देशिका - डॉ. मंजु नाहटा 09433028281

सह निर्देशिका - श्रीमती कनक बरमेचा 09328072984, संयोजिका - श्रीमती पुष्पा बैद 09314194215

सफलता के नए शिखरों की ओर

पतन बहुत आसान है मगर उत्थान कठिन है।
ध्वंस बहुत आसान है मगर निर्माण कठिन है।

उत्थान और निर्माण की बात सबको अभीष्ट है। व्यक्ति, समाज, राज्य हो या देश, उत्थान और निर्माण की पूरी प्रक्रिया होती है। इनके बारे में सोचना अच्छी बात है पर वह एक पथ हो सकता है, गन्तव्य नहीं। किसी विचारक ने लिखा है–

Thinking well is good
Planning well is better
Doing well is best

अच्छा सोचने और अच्छी प्लानिंग करने से भी बेहतर है अच्छा करना।

व्यक्ति का उत्थान दो स्तरों पर संभव है – वैयक्तिक स्तर पर और सामुदायिक स्तर पर। समुदाय या संगठन एक सशक्त माध्यम है उत्थान की सीढ़ियों पर आरोहण करने का। बीसवीं सदी के क्रान्तिकारी महापुरुष आचार्य श्री तुलसी ने नारी उत्थान का सपना देखा। उस स्वप्न को साकार करने के लिए उन्होंने शिक्षा, संगठन और सक्रियता के सोपान रचने का दिशा दर्शन दिया।

गुरु के महान अनुग्रह से तेरापंथ समाज की महिलाओं ने अपनी अस्मिता को पहचाना, शिक्षा के क्षेत्र में विकास किया, 'अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल' संगठन की स्थापना की तथा सक्रियता के लिए चिन्तन, योजना–निर्माण और क्रियान्विति का पथ प्रशस्त किया।

महिलाओं का यह संगठन महिला जाति के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। इसी प्रतिबद्धता के आधार पर वह कुछ स्थायी और कुछ सामयिक गतिविधियों का संचालन कर रहा है। सन् 2018 में उसकी सामयिक गतिविधियों का एक घटक है – आचार्य श्री तुलसी की बाईसवीं वार्षिक पुण्यतिथि के अवसर पर नैतिकता का शक्तिपीठ गंगाशहर में युवा बहनों के लिए त्रिदिवसीय कार्यक्रम **'उत्थान'**

उत्थान के लिए आवश्यक है – **Positive Attitude** **Change your Attitude, Change your life** – इस सूत्र को आधार बनाकर संकीर्ण दायरे से बाहर निकलना है। पद, प्रतिष्ठा आदि की कामना से मुक्त रहकर धर्मसंघ की सेवा करना है। छोटे–छोटे कार्यों से वाह वाही बटोरने की अपेक्षा किसी ठोस योजना को क्रियान्वित करने का लक्ष्य बनाना है। ज्ञान, दर्शन और चारित्र बोधि की पुष्टि के लिए निरन्तर जागरूक रहना है। आज को बीते हुए कल से बेहतर बनाने के लिए प्रयत्न करना है। भोग प्रधान जीवन शैली के आकर्षण से दूर रहकर त्याग, संयम और अनासक्ति की चेतना जगाने का प्रयास करना है।

आचार्य श्री महाश्रमण के मंगल आशीर्वाद और प्रेरक दिशा–दर्शन से महिलाओं की उत्थान–यात्रा सफलता के नए शिखरों को छूने के लिए आगे बढ़ती रहे।

मंगलकामना !

29 मई 2018, विजयवाड़ा

–साध्वी प्रमुखाश्री कनकप्रभा

EMPOWERMENT

ELEVATE YOURSELF

चातुर्मास के अनमोल क्षण, करें स्वयं का आध्यात्मिक आरोहण

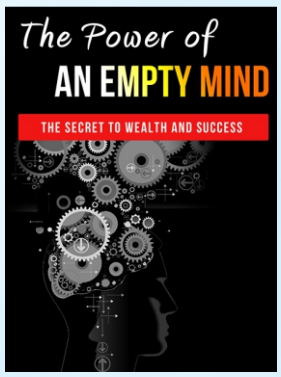

EVACUATE YOURSELF

स्वयं को निखारें, पापों को पखारे।

पावस की बेला, आत्मप्रेक्षा का बहाए रेला
छूटे झमेला, लगे रंग अलबेला।

EXPAND YOUR SKILLS

अपनी योग्यता को दे विस्तार

हर पल रहे जागरूक, बढ़े त्याग-वैराग
निखरे अंतर योग्यता, प्रकटे पुण्य प्रताप।

EXECUTE YOUR PLANS

क्रियान्विति की ओर बढ़ाएं कदम

कम से कम हो आरम्भ-समारंभ व आयोजन,
अधिकतम हो समय का सम्यक् नियोजन।

आत्म निरीक्षण की अनुप्रेक्षा करें !

चातुर्मास की पूर्व तैयारी स्वरूप आध्यात्मिक कार्यशाला का आयोजन करे। उसमें उपरोक्त बिन्दुओं को समाहित करते हुए छोटी-छोटी बातों में जागरूकता का परिचय दे।
जैसे - रात्रि भोजन त्याग, सचित्त का त्याग, द्रव्य सीमा, प्रतिदिन प्रत्याख्यान, नवकारसी, पोरसी आदि।
25 बोल व प्रतिक्रमण कंठस्थ करे। चारित्रात्माओं की गोचरी-पानी में जागरूकता बरतें।

इस माह का संकल्प - प्रतिदिन ॐ जय तुलसी की पांच माला का जप

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का 43 वां वार्षिक अधिवेशन दिनांक 4,5,6 अक्टूबर 2018 को चेन्नई में

परम श्रद्धेय आचार्य श्री महाश्रमणजी के मंगल सान्निध्य में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का 43 वां राष्ट्रीय वार्षिक अधिवेशन आगामी दिनांक 4,5,6 अक्टूबर 2018 को माधावरम, चैन्नई में आयोजित होने जा रहा है। जहाँ मिलेगा –

पूज्य प्रवर का मंगल आशीर्वाद, साध्वीप्रमुखाश्रीजी का दिशा बोध।

प्रशस्त होगी विकास की नई राह, मिटेंगे पथ के सभी अवरोध।।

अधिवेशन हेतु ध्यानार्थ बिंदु :–

- रजिस्ट्रेशन 3 अक्टूबर 2018, बुधवार को दोपहर 4.00 बजे से प्रारंभ होगा।
- 3 अक्टूबर सायंकाल में परिचय सत्र का आयोजन किया जायेगा।
- बड़े क्षेत्र से 7 तथा छोटे क्षेत्र से 4 बहनें प्रतिनिधि के रूप में भाग ले। अध्यक्ष, मंत्री व पदाधिकारी का आना अनिवार्य है।
- अपने–अपने क्षेत्र का महिला मंडल व कन्यामंडल का मान्यता पत्र अवश्य साथ में लाये।
- रजिस्ट्रेशन शुल्क प्रत्येक प्रतिनिधि के लिए 500 रू. रहेगा।
- आभूषण व कीमती सामान की सुरक्षा की जिम्मेदारी आपकी होगी। कृपया सादगी व संयम का परिचय दें।
- अधिवेशन के दौरान सभी सत्रों में गणवेश पहनना अनिवार्य है।
- अधिवेशन की समस्त व्यवस्थायें 6 अक्टूबर दोपहर 3.00 बजे तक रहेगी।
- ओढ़ने–बिछाने के वस्त्र एवं सामायिक उपकरण साथ में अवश्य लाएं।
- अधिवेशन के दौरान अनुशासित व सशक्त कार्यकर्ता का परिचय देना है।
- अधिवेशन में आने हेतु अपने आगमन की स्वीकृति महामंत्री कार्यालय में अवश्य दें।

अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें :–

अध्यक्ष, चैन्नई म.मं.	राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य	मंत्री, चैन्नई म.मं.
श्रीमती कमला गेलड़ा	श्रीमती उषा बोहरा	श्रीमती शान्ति दुधोड़िया
07299755866	09840040446	09677068604

विशेष :– आपको गति प्रगति विवरण का परिपत्र भेजा जा रहा है। इसे भरकर 20 जुलाई 2018 तक महामंत्री कार्यालय में प्रेषित करें। प्रत्येक कार्यक्रम की रिपोर्ट तथा आंकड़े प्रामाणिकता के साथ भेजे। अपने–अपने क्षेत्र में आयंबिल के अधिक से अधिक संकल्प करवायें तथा उसकी सूची साथ में अवश्य भेजें। इस रिपोर्ट के साथ पूरे वर्ष भर की अन्य जानकारी अलग से लिखकर भेजे। एक कार्यक्रम की एक ही फोटो व न्यूज कटिंग भेजे। हर फोटो के पीछे आपके क्षेत्र का नाम हो। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की सभी क्षेत्रीय प्रभारी बहनें अपने–अपने क्षेत्रों में फोन करके रिपोर्ट समय पर भिजवायें। अध्यक्ष, मंत्री व निर्धारित कार्यसमिति सदस्यों के हस्ताक्षर के बिना रिपोर्ट मान्य नहीं की जायेगी।

नीलम सेठिया, महामंत्री
28/1, शिवाया नगर,
4th Cross, रेड्डीयुर,
सेलम–636004, तमिलनाडु
मो. : 099524 26060

वार्षिक अधिवेशन व साधारण सभा का आयोजन

सभी शाखा मंडल अपने क्षेत्र में वार्षिक अधिवेशन, साधारण सभा अगस्त माह में आयोजित करें। बहनों, गत एक वर्ष के दौरान सभी शाखा मंडलों ने अत्यन्त हर्षोल्लास के साथ सतत् जागरूकता का परिचय देते हुए विशेष श्रम कर प्रत्येक कार्यक्रम को सफलता का जामा पहनाया है। इसी तरह निरंतर गतिशील रहते हुए संस्था, समाज व धर्मसंघ का गौरव बढ़ाते रहें यही मंगल कामना।

साधारण सभा का प्रारूप :

- सभी शाखा मंडलों को साधारण सभा का विधिवत आयोजन करना है।
- साधारण सभा के लिए 15 दिन पूर्व अपने सदस्यों को सूचना प्रेषित करें।
- साधारण सभा की रूपरेखा एक माह पूर्व कार्यसमिति में एजेंडा व बजट सहित पास कराया जाए।
- साधारण सभा में एक तिहाई उपस्थिति अनिवार्य है। बड़े क्षेत्रों में अगर कोरम पूरा नहीं हो तो निर्धारित समय के आधा घंटा के बाद कम से कम 51 बहनों की उपस्थिति में साधारण सभा का आयोजन किया जा सकता है।
- इसमें संस्था के सभी सामान्य सदस्य उपस्थित हो, एजेंडा रजिस्टर में उनके हस्ताक्षर करवाए जाएं। जो सदस्य नहीं है, उनके विशेष आमंत्रित के रूप में हस्ताक्षर करवाये जाएं। साधारण सभा में आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया जाए और उसे पास कराया जाए।
- साधारण सभा में संविधान का वाचन किया जाए तथा उसे सबको समझाया जाए। गति-प्रगति का विवरण भी प्रस्तुत किया जाए और उसे पास करवाया जाए।

साधना का मजबूत चरण - प्रतिक्रमण

- साधना आराधना की वेदी पर अहिंसा, क्षमा, मैत्री की त्रिवेणी से स्नात् होकर निर्मल बनने की तैयारी एक श्रावक की जागरूकता का प्रमाण है।
- 27 जुलाई 2018 चातुर्मासिक पक्खी प्रतिक्रमण साधना का दूसरा महत्वपूर्ण अवसर हमारे सामने है।
- अ.भा.ते.म.मं. को विश्वास है कि उसके द्वारा संचालित ''प्रतिक्रमण साधना अभियान'' में उनके जागरूक शाखा मंडलों ने अपने क्षेत्र के अधिकाधिक श्रद्धालु श्रावक समाज को इस साधना से जोड़ने का कारगर प्रयास किया होगा।
- सभी शाखा मंडल ''चातुर्मासिक-पक्खी'' के इस महत्वपूर्ण अवसर पर अपने क्षेत्र में सामूहिक रूप से ''प्रतिक्रमण साधना'' करने की व्यवस्था करें।
- साधना में संभागी बहिन, भाई, कन्या मंडल, ज्ञानशाला आदि अपनी-अपनी संस्था के गणवेश में पधारें इसका विशेष ध्यान रखा जाए।
- चातुर्मासिक पक्खी प्रतिक्रमण के अवसर पर साधक अपने संकल्प के बैच का प्रयोग अनिवार्य रूप से करे।
- प्रतिक्रमण करवाने वाली बहिने अथवा भाई कण्ठस्थ पूर्वक विधि सहित शुद्ध प्रतिक्रमण करवायें।
- सामूहिक प्रतिक्रमण साधना की 5 मिनिट की विडियो रिर्काडिंग व्हाट्सेप नं. 9108932121 अथवा veena_baid@hotmail.com पर मेल कर दें।
- सभी शाखा मंडल सामूहिक साधना में संभागी की कुल संख्या प्रमाणिकता के साथ संयोजिका को भेजे।
- शाखा मंडल अपने-अपने क्षेत्र के दैनिक, पाक्षिक, चातुर्मासिक पक्खी एवं सांवत्सरिक प्रतिक्रमण साधना संकल्प धारकों के नाम व फोन नं. सहित अलग अलग लिस्ट बना कर संयोजिका को प्रेषित करें।
- प्रयास करें कि ये **List A4 Size** के पेपर पर टाईप की गयी हो।
- सामूहिक प्रतिक्रमण साधना के दो फोटो महामंत्री कार्यालय में भेजना न भूलें।
- हम सबकी साधना उर्ध्वगामी बने यही मंगलकामना।

संयोजिका - श्रीमती वीणा बैद - मो. : 9448063260, राजयोग अपार्टमेंट, नं. 134, 13th Main Ist Cross, Ist Floor, Central Excise Layout, Vijay Nagar, Bangalore - 560 040

कन्या मण्डल

करणीय कार्य - जुलाई

बेटियों के बढ़ते कदम - फहराएं विकास के परचम

प्यारी बेटियों,

सादर जय जिनेन्द्र !

हम सभी सौभाग्यशाली है कि हमने गौरवशाली जैन धर्म पाया। जैन धर्म के तीर्थंकर भगवान महावीर न केवल आध्यात्मिक व्यक्तित्व के धनी थे अपितु एक ऐसे वैज्ञानिक थे जिनकी हजारों वर्ष पूर्व कही हुई बात आज भी प्रासंगिक है और विज्ञान उसे स्वीकार कर रहा है। जैन दर्शन केवल धर्म ही नहीं है परन्तु स्वस्थ जीवन जीने की शैली है जिसे अपनाकर व्यक्ति शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक स्वस्थता को प्राप्त कर सकता है।

अतः आपको **Mega Awareness Drive** के तहत करना है **Mission Stay Fit** इसके लिए आपको **Stay fit Symposium** का आयोजन करना है जिसमें **Expert** को बुलाकर **Jain Life Style and Health** पर निम्न चर्चा करनी है।

- **No food after sunset, Health will be better than the best**
- शाकाहार, मिटाये मन का विकार
- **Filter Water** और उपवास, बिमारी नहीं रहेगी पास
- सामायिक, ध्यान में लगाये मन, शरीर का बनेगा संतुलन

चर्चा का **result** निकाल कर 31 जुलाई तक केन्द्र में राष्ट्रीय संयोजिका को भेजें

विशेष : इस **Symposium** का आयोजन आप स्कूल, कॉलेज में भी कर सकते हैं।

आपकी दीदी
मधु देरासरिया

दक्षिणांचल कन्या कार्यशाला ''पहचान'' *Aspiring A New Me*

- दिनांक 17, 18, 19 अगस्त 2018 को परम श्रद्धेय आचार्यश्री महाश्रमणजी के पावन सान्निध्य में दक्षिणांचल कन्या कार्यशाला ''पहचान'' का आयोजन किया जायेगा। कार्यशाला में तमिलनाडु, कर्नाटक, आन्ध्रप्रदेश, तेलंगाना, उड़ीसा एवं केरला से कन्याएं अधिक से अधिक संख्या में सहभागी बने।
- रजिस्ट्रेशन 17 अगस्त को प्रातः 8 बजे से शुरु हो जायेगा। वापसी की टिकट 19 अगस्त को दोपहर 2 बजे बाद की करवा सकते हैं।
- अपने साथ संरक्षिका बहन अवश्य लायें।
- सभी सत्र में गणवेश अनिवार्य है।
- तेरापंथ प्रबोध की तैयारी कर के आये (65 पद्य एवं गद्य)
- दक्षिणाचंल कन्या मंडल अपना मान्यता पत्र अवश्य लेकर आये और बाकी क्षेत्र (दक्षिणांचल को छोड़कर) महिला मंडल के अधिवेशन में म.मं. के साथ अपना मान्यता पत्र अवश्य भेजें।
- अब तक जो करणीय कार्य दिये हैं वे अवश्य पूर्ण कर लें । मार्च से जून तक की **Report format** में भर कर 31 जुलाई तक अवश्य भेज दें।
- अपने आगमन की अग्रिम सूचना अवश्य देवें।

सम्पर्क सूत्र : श्रीमती मधु देरासरिया (रा.क.मं. संयोजिका) 9424133069,
श्रीमती तरूणा बोहरा (रा.क.मं. सह संयोजिका) 8976601717,
श्रीमती मंजु गेलड़ा (चैन्नई क.म. प्रभारी) 9841453611,
सुश्री दर्शना सेठिया (चैन्नई क.मं. संयोजिका) 7010826689, सुश्री यशिका खटेड़ - 9380691000

- आगामी 14-15 जुलाई को दिल्ली-मेहरोली में पंजाब, दिल्ली, हरियाणा, उत्तरप्रदेश स्तरीय पहचान कार्यशाला का आयोजन।

''पहचान'' Aspiring A New Me कार्यशालाएं

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में देशभर के विभिन्न राज्यों में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा की अध्यक्षता में तथा राष्ट्रीय कन्या मंडल प्रभारी मधु देरासरिया एवं राष्ट्रीय सह प्रभारी CA तरूणा बोहरा की गरिमामय उपस्थिति में आयोजित की गई। अ.भा.ते.म.मं. परिवार से ट्रस्टी श्रीमती प्रकाश देवी तातेड़, श्रीमती सूरज बरड़िया, महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया, सहमंत्री श्रीमती विजयालक्ष्मी भूरा, श्रीमती रंजु लुणिया, प्रचार प्रसार मंत्री श्रीमती प्रभा घोड़ावत, ई-मीडिया प्रभारी श्रीमती नीतू ओस्तवाल, परामर्शक श्रीमती प्रेमलताजी सिसोदिया, श्रीमती विमला नाहटा, रा.का.स. श्रीमती डॉ. पुखराज सेठिया, श्रीमती अदिति सेखानी, डॉ. नीना कावड़िया, श्रीमती निर्मला चंडालिया, श्रीमती कांता तातेड़, श्रीमती भाग्यश्री कच्छारा, श्रीमती जयश्री बडाला, श्रीमती रंजू खटेड़, श्रीमती सीमा बैद, श्रीमती मधु डागा एवं श्रीमती सरिता बरलोटा व विशेष आमंत्रित श्रीमती रचना हिरण ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। महामंत्रोच्चार से कार्यशाला की मंगलमय शुरुआत के पश्चात् विधिवत बैनर अनावरण किया गया। स्थानीय कन्या मंडल द्वारा संकल्प गीत ''जागो जागो कन्याओं'' पर रोचक प्रस्तुति दी गयी। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने कन्याओं को ''पहचान'' शब्दावली पर मोटीवेशनल स्पीच दी तथा समागत सभी क्षेत्रों के प्रति स्वागत, अभिनन्दन एवं कृतज्ञता के भाव प्रस्तुत किये। राष्ट्रीय कन्या मंडल प्रभारी मधु देरासरिया ने कहा कन्याएं संस्कारों की पुष्टि के साथ आसमान को छूने का प्रयास करे। राष्ट्रीय सह प्रभारी CA तरूणा बोहरा द्वारा विभिन्न रोचक एक्टीविटी की समायोजना की गई।

द्वि दिवसीय कार्यशाला में आयोजित विभिन्न सत्र :-

- उद्घाटन सत्र - पहचान की उजली भोर - बढ़े विकास की ओर।
- एक नई पहचान - भरे भीतर की उडान।
- Tressure Hunt
- धर्म, शिक्षा और व्यवहार - पहचान का आधार।
- चले पहचान की ओर - ऑल राउंडर बनने का दौर (Add Made Show)
- करें समता रस का पान : श्रावकत्व की यह पहचान।
- सांस्कृतिक संध्या - एक नई पहचान।
- SMDP (Social Media De Addiction Program) प्रशिक्षण

स्थान/दिनांक/संख्या	सान्निध्य	विशिष्ट अतिथि	आयोजक	संघीय संस्था के गणमान्य	प्रशिक्षण
उदयपुर (भुवाणा) राजस्थान स्तरीय 26-27 अप्रैल 2018 28 क्षेत्र से 300 कन्याएं	शासनश्री साध्वीश्री गुणमालाजी ठाणा-5	पूर्व महापौर श्रीमती रजनीजी डांगी जलगांव से रमेश जी सेठिया	उदयपुर म. मं. अध्यक्ष लक्ष्मीजी कोठारी मंत्री - मंजु प्रभारी-मुनमुन सुराणा	सभाध्यक्ष सूर्यप्रकाशजी मेहता तेयुप अध्यक्ष अरूणजी मेहता	विजयालक्ष्मी भूरा डॉ. नीना कावड़िया नीतू ओस्तवाल निर्मला चंडालिया
मुंबई(कांदिवली) महाराष्ट्र स्तरीय 6-7 मई 2018 6 क्षेत्र से 275 कन्याएं	शासनश्री साध्वीश्री सोमलताजी ठाणा-5	स्पीकर मानसी ठाकुर गौरव शर्मा मनीषा कोठारी अभिनेत्री लेझली त्रिपाठी	मुंबई म. मं. अध्यक्ष जयश्री बडाला प्रभारी-मीना कच्छारा प्रीती बोथरा मानसी बागरेचा	बाबूलालजी राठौड़ फाउंडेशन अध्यक्ष सुरेन्द्र जी कोठारी	भाग्यश्री कच्छारा निर्मला चंडालिया रचना हिरण

बढ़ते कदम

स्थान/दिनांक/संख्या	सान्निध्य	विशिष्ट अतिथि	आयोजक	संघीय संस्था के गणमान्य	प्रशिक्षण
गुवाहाटी (भवन) आसाम, बिहार, नेपाल मेघालय, बंगाल स्तरीय 9-10 जून 2018 8 क्षेत्र से 85 कन्याएं		असम गर्वनर डॉ. जगदीश मुखी की पत्नी श्रीमती प्रेम मुखी	गुवाहाटी म. मं. अध्यक्ष विद्या कुंडलिया मंत्री मीरा सुराणा प्रभारी मीनू जैन सोनल बरड़िया	सभाध्यक्ष बसंतजी सुराणा विमलजी नाहटा तेयुप अध्यक्ष दिलीपजी दुगड़	सूरज बरड़िया रंजु लूणिया डॉ. पुखराज सेठिया
इन्दौर (भवन) मध्य प्रदेश, उड़ीसा छत्तीसगढ़ स्तरीय 12-13 जून 2018 9 क्षेत्र से 130 कन्याएं	साध्वीश्री प्रबलयशाजी ठाणा - 3	मोटिवेटर जितेश मनवाणी माया बोहरा प्रणीता डागा डॉ.वीरबाला छाजेड़ सायरा जैन	इन्दौर म. मं. अध्यक्ष साधना कोठारी मंत्री अर्चना मेहता प्रभारी ज्योती जैन	सभाध्यक्ष भंवरलालजी कांसवा प्रकाशजी कांटेड़ तेयुप दिलीप जैन संजय जैन	प्रभा घोड़ावत सरिता बरलोटा

आचार्य महाश्रमण कन्या सुरक्षा सर्किल एवं स्तम्भ उद्घाटन

जयपुर शहर - अ.भा.ते.म.मं. की कन्या सुरक्षा योजना के अंतर्गत जयपुर शहर महिला मंडल द्वारा चौथा आचार्य महाश्रमण कन्या सुरक्षा सर्किल का बाड़ा पदमपुरा ग्राम पंचायत में निर्माण किया गया। भाजपा अध्यक्ष (जयपुर शहर) श्रीमती कविता मलिक, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद एवं श्रीमती नीरू नरेश मेहता द्वारा सर्किल का उद्घाटन किया गया। मंडल अध्यक्ष श्रीमती मधु श्यामसुखा ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए ग्राम सरपंच श्री अर्जुनजी मीणा के प्रति सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया साथ ही भविष्य में और नये सर्किलों के निर्माण की योजना बतायी। श्रीमती कविता मलिक ने कन्या सुरक्षा क्षेत्र में किये कार्यों की प्रशंसा करते हुए जागरूकता के और कार्यों के लिए बहनों को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में जयपुर शहर अध्यक्ष श्री दौलत जी डागा द्रव्यवती नदी योजना संरक्षक श्री अशोक मेहता, श्री हिम्मत डोसी, श्री प्रदीप डोसी, राष्ट्रीय ट्रस्टी श्रीमती सौभाग बैद, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा, रा.का.स. श्रीमती विमला दुगड़ की गरिमामयी उपस्थिति रही। ग्रामवासियों ने मंडल के प्रति धन्यवाद प्रेषित करते हुए भविष्य में इस तरह के और कार्यक्रम करने का निवेदन किया। मंत्री श्रीमती शंकुतला चौरड़िया ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया।

इंदौर - अ.भा.ते.म.मं. द्वारा इंदौर में आयोजित पहचान कार्यशला के समय पर इंदौर महिला मंडल ने सक्रियता व जागरूकता का परिचय देते हुए दो कन्या सुरक्षा सर्किल का लोकार्पण कार्यक्रम भी आयोजित किया। 174 स्कीम के दोनों गेट पर दो सर्किलों का मंडल ने निर्माण किया व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा के कर-कमलों से उनका लोकर्पण करवाया। इस अवसर पर राष्ट्रीय प्रचार प्रसार मंत्री श्रीमती प्रभा घोड़ावत, राष्ट्रीय कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती मधु देरासरिया, सह प्रभारी श्रीमती तरूणा बोहरा की गरिमामयी उपस्थिति रही। सर्किल निर्माण में श्री हितेन्द्र मेहता व श्रीमती अर्चना मेहता का विशेष सहयोग रहा। लोकार्पण पूर्व कोठारी महाविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए मोटीवेटर जितेश मानवानी व प्रोफेसर आशीष ओझा ने कन्या सुरक्षा अभियान की प्रस्तुती **PPT** के माध्यम से दी। इंदौर महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती साधना कोठारी व मंत्री श्रीमती अर्चना मेहता ने इस अवसर पर सभी का भावभरा स्वागत किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन श्रीमती अंजु कठोतिया व प्रो. अंकिता पिपाडा ने किया। आभार श्रीमती सुमन दुगड़ ने किया। राष्ट्रीय टीम ने मंडल के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें बधाई प्रेषित की।

सी-स्कीम महिला मंडल जयपुर - विदुषी समणी पुण्यप्रज्ञाजी एवं संचितप्रज्ञाजी के सान्निध्य अ.भा.ते.म.मं. के निर्देशन में सी-स्कीम महिला मंडल जयपुर द्वारा आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी के 99वें जन्मदिवस पर उनकी जन्मस्थली

बढ़ते कदम

टमकोर में आचार्य महाश्रमण कन्या सुरक्षा स्तम्भ का महाप्रज्ञ इन्टरनेशनल स्कूल में निर्माण किया गया। इस स्तंभ के लोकार्पण समारोह में तेरापंथ समाज के गणमान्य व्यक्तित्व श्री सुरेन्द्र जी जैन, श्री प्रमोद जी जैन, श्री मर्यादाजी कोठारी, श्री घीसारामजी, श्री अशोक जी जैन, श्री पदमचंदजी जैन, श्री नथमल जी नखत, श्री नंदकुमार जैन, श्री मखनलालजी गोयल, श्री शुभकरणजी दुगड़, श्री नोरतनमलजी नखत, श्री नरेन्द्रजी रायजादा, श्री विमलजी चोरड़िया, श्री देवेन्द्रजी जैन की उपस्थिति रही। मंडल अध्यक्ष श्रीमती सुशीला चौपड़ा व मंत्री कनक दुधोड़िया ने सभी का स्वागत किया। कोषाध्यक्ष श्रीमती ललिता रायजादा, श्रीमती सरोज बैंगानी ने भी गुरु के प्रति भावांजली अर्पित की। कार्यक्रम का कुशल संचालन श्रीमती सुशीला नखत ने किया। रा.का.स. श्रीमती चंदा कोठारी के साथ जयपुर सी-स्कीम की बहनों व स्थानीय बहनों की सराहनीय उपस्थिति रही।

विभिन्न आयोजनों में राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं महामंत्री की उपस्थिति

हैदराबाद – तेरापंथ धर्मसंघ के महासूर्य आचार्य श्री महाश्रमणजी का वर्ष 2020 का ऐतिहासिक चातुर्मास मोतियों की नगरी हैदराबाद में होना निश्चित है। चातुर्मास की समुचित व्यवस्था हेतु पोचम पल्ली में महाश्रमण विहार का भूमि पूजन जैन संस्कार विधि से किया गया। चातुर्मास प्रवास व्यवस्था समिति के अध्यक्ष श्रीमान प्रकाश जी बरड़िया की अध्यक्षता में आयोजित इस भव्य आयोजन में संस्कारक के रूप में तेरापंथ विकास परिषद् के सदस्य श्रीमान पदमचंदजी पटावरी, अभातेयुप के पूर्व अध्यक्ष श्री मर्यादाजी कोठारी, अविनाशजी नाहर के साथ-साथ मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा भी शरीक हुई। इस अवसर पर जैन समाज के कई गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में अभातेममं की रा.का.स. श्रीमती प्रभा दुगड़ व श्रीमती चंदा कोठारी भी शामिल हुई।

भीलवाड़ा – जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, भीलवाड़ा द्वारा आदित्य विहार में तेरापंथ नगर के शिलान्यास समारोह का भव्य आयोजन किया गया जिसमें विशाल तेरापंथ भवन के निर्माण के साथ-साथ भव्य आवासीय कॉम्प्लेक्स की भी परिकल्पना की गई। संस्था शिरोमणी तेरापंथी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमान् हंसराज जी बेताला की अध्यक्षता में आयोजित इस आयोजन में तेरापंथ धर्मसंघ के तथा राजनीति के विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा, ई-मीडिया प्रभारी श्रीमती नीतू ओस्तवाल तथा विशेष आमंत्रित श्रीमती रचना हिरण भी उपस्थित हुई।

विजयवाड़ा – अध्यात्म जगत के उज्जवल नक्षत्र आचार्यश्री महाश्रमणजी के विजयवाड़ा प्रवास से महिला मंडल व कन्यामंडल में विशेष ऊर्जा का संचार हुआ। विजयवाड़ा महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती कुसुम डोसी ने इस अवसर का लाभ उठाते हुए अभातेममं मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा एवं महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया की गरिमामय उपस्थिति में स्थानीय महिला मंडल के समस्त पूर्वाध्यक्षों का मोमेंटो देकर सम्मान किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष व महामंत्री ने कन्या मंडल द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन कर भूरी-भूरी प्रशंसा की तथा कन्याओं एवं बहनों को साधुवाद दिया।

कोलकाता – दक्षिण कोलकाता महिला मंडल द्वारा साध्वी श्री पियूषप्रभाजी के सान्निध्य में एवं पूर्वांचल कोलकाता महिला मंडल द्वारा **Empowerment** कार्यशाला के अंतर्गत 'स्व प्रंबधन-निखारे अपना जीवन' विषय पर मुख्य वक्ता के तौर पर राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया को आमंत्रित किया गया। साध्वीश्री जी ने आचार्य भिक्षु के विचारों से दान और दया पर प्रकाश डाला। साध्वीश्री दीप्तियशाजी ने स्व-प्रंबधन पर प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया एवं विस्तारपूर्वक विषय पर प्रस्तुति भी दी। दक्षिण कोलकाता मंडल अध्यक्ष श्रीमती पुखराज सेठिया व पूर्वांचल कोलकाता मंडल अध्यक्ष श्रीमती रमन पटावरी ने राष्ट्रीय पदाधिकारियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में अ.भा.ते.म.मं. से संरक्षिका श्रीमती तारा सुराणा, ट्रस्टी श्रीमती शांता पुगलिया, श्रीमती सूरज बरड़िया, श्रीमती मधु दुगड़, निर्वतमान अध्यक्ष श्रीमती कल्पना जी बैद, रा.का.स. श्रीमती शोभा दुगड़, श्रीमती लीना दुगड़ की गरिमामयी उपस्थिति रही। दोनों ही कार्यशालाओं में बहनों की अच्छी उपस्थिति रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन स्थानीय मंत्री क्रमशः श्रीमती वीना श्यामसुखा व श्रीमती प्रेम सुराणा ने किया।

बढ़ते कदम

असम के राज्यपाल के साथ राष्ट्रीय पदाधिकारियों की भेंटवार्ता

असम की राजधानी गुवाहाटी के राजभवन में महामहिम राज्यपाल डॉ. जगदीश मुखीजी से अ.भा.ते.म.मं. अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा, सहमंत्री श्रीमती रंजु लुणिया, कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती मधु देरासरिया, सह प्रभारी श्रीमती तरूणा बोहरा के साथ रा.का.स. श्रीमती पुखराज सेठिया, श्रीमती रंजु खटेड़, श्रीमती मधु डागा तथा गौहाटी मंडल अध्यक्ष श्रीमती विद्या कुण्डलिया, मंत्री श्रीमती मीरा सुराणा ने अपनी कार्य समिति की बहनों के साथ मुलाकात की।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने शाल्यार्पण व साहित्य द्वारा राज्यपाल का स्वागत अभिनन्दन किया तत्पश्चात् संस्था की योजनाओं और सामाजिक स्तर पर किये जा रहे कार्यों से महामहिम को अवगत कराते हुए संस्था के बारे में विस्तृत जानकारी दी। राज्यपाल द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूरी टीम का आसाम के प्रतीक चिन्ह गामुछा द्वारा स्वागत किया गया व पूरे राजभवन का अवलोकन करवाया गया। महामहिम डॉ. जगदीशजी ने राष्ट्रीय टीम के साथ वार्तालाप में अपने अनुभव बताये व सामाजिक कार्यों के लिए मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया। इस अवसर पर महामहिम की धर्म पत्नी श्रीमती प्रेममुखी जी भी मौजूद थी जो स्वयं एक सामाजिक कार्यकर्ता है। महामहिम द्वारा संस्था के कार्यों की सराहना की गयी। सभी ने महामहिम द्वारा प्राप्त आत्मीयता व मार्गदर्शन से गौरव का अनुभव किया।

''युवा पीढ़ी को कैसे जोड़े अध्यात्म से''

मई माह के सर्वश्रेष्ठ विचार के अंतर्गत ''युवा पीढ़ी को कैसे जोड़ें अध्यात्म से'' विषय पर कुल कुल 35 प्रविष्टियां प्राप्त हुई। जिसमें निम्न बहनों के विचार सराहनीय रहे –

1. श्रीमती कोमल कोठारी, घाटकोपर–मुंबई
2. श्रीमती विमला भलावत, कांकरोली–राजस्थान
3. श्रीमती सीमा धोका, राजसमन्द–राजस्थान
4. श्रीमती बनमाला नाहर, मैसूर
5. श्रीमती सुमन चौपड़ा, लूणकरणसर
6. श्रीमती लीला चोरड़िया, साउथ हावड़ा

आपकी लेखनी समीचीन विषयों पर सृजनात्मक चिंतन अभिव्यक्त करती रहे यही मंगलकामना।

चारित्रात्माओं की तत्त्वज्ञान / तेरापंथ दर्शन की परीक्षाएं अगस्त माह में

साध्वीश्री एवं समणीवृंद की तत्वज्ञान की परीक्षा दिनांक 28 व 30 अगस्त 2018, तद्नुसार मंगल व बृहस्पतिवार को आयोजित की जायेगी। सभी शाखामंडलों से निवेदन है कि अपने अपने क्षेत्र में विराजित चारित्रात्माओं से संपर्क कर उन्हें सूचित करें। उनके फार्म भरवाकर राष्ट्रीय संयोजिका मंजु भूतोड़िया को भेजें।

बहनों , आप सभी के सुझाव को ध्यान में रखते हुए ऑनलाइन प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है। जो बहनें तत्त्वज्ञान पाठ्यक्रम की विद्यार्थी हैं, कई बार थोकड़ों में खुलासा करने में कठिनाई होती है। काफी समय से ऑनलाईन प्रशिक्षण का सपना था वो अब साकार रूप ले रहा है। अ.भा.ते.म.मं. ने अपना **abtmmm** मोबाईल एप तैयार किया है जिसके अन्तर्गत प्रशिक्षण प्रारम्भ किया जा रहा है। तत्वज्ञान से संबंधित जो भी प्रश्न या जिज्ञासा हो आप श्रीमती रजनी बाफना को भेज सकते हैं। वे इस प्रशिक्षण का संचालन करेंगी तथा आपकी जिज्ञासाओं का समाधान भी करती रहेगी।

सभी व्यवस्थापिकाएं एवं परीक्षार्थी **Playstore** से इस एप को डाउनलोड कर लें और अपने प्रश्न एवं जिज्ञासाएं भेजते रहे।

सम्पर्क सूत्र :– श्रीमती रजनी बाफना – मो. : 09350414439, नि. 011–29214439
ई–579, एस.एफ., ग्रेटर कैलाश, पार्ट–2, नई दिल्ली **E-mail : rajnibafna@yahoo.com**

संशोधन – जून माह के नारीलोक के पृष्ठ संख्या 7 पर ''युवा दिवस'' रिपोर्ट के अन्तर्गत दीक्षा गुरु शब्द का प्रयोग किया गया है उसे दीक्षा प्रदाता पढ़े।

संगठन की शक्ति, संस्था की उन्नति

अ.भा.ते.म.मं. के निर्देशन में देश के विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित कन्या कार्यशालाओं के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा, महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया, कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती मधु देरासरिया, सहप्रभारी श्रीमती तरूणा बोहरा द्वारा उन शाखा मंडलों की संगठन यात्रा के तहत सार संभाल ली गयी। राष्ट्रीय टीम द्वारा चारों योजनाओं की व संविधान की विस्तृत जानकारी दी गयी। सभी क्षेत्रों में बहनों को संगठन की शक्ति पर विशेष प्रेरणा देते हुए युवती सम्मेलन ''उत्थान'' में सहभागिता दर्ज कराने हेतु आह्वान किया गया।

हैदराबाद - साध्वी श्री राकेश कुमारीजी ठाणा-4 के सान्निध्य में हैदराबाद मंडल की संगठन यात्रा का आयोजन किया गया। साध्वीश्रीजी द्वारा नमस्कार महामंत्र के उच्चारण व युवती बहनों की प्रेरणा गीत पर सुंदर प्रस्तुति से कार्यक्रम प्रांरभ हुआ। रा.का.स. श्रीमती प्रभा दुगड़ ने शुभकामना प्रेषित करते हुए साध्वी प्रमुखाश्रीजी के संदेश का वाचन किया। हैदराबाद मंडल अध्यक्ष श्रीमती रीटा सुराणा ने स्वागत वक्तव्य के साथ मंडल की गतिविधियों की भी जानकारी दी। साध्वी श्री राकेश कुमारीजी ने नारी शक्ति व कर्तृत्व पर विशेष प्रेरणा दी। साध्वी श्री मलयविभाजी ने संगठन यात्रा के महत्व को समझाया। आचार्य प्रवर के 2020 के चातुर्मास व्यवस्था समिति अध्यक्ष श्री प्रकाश जी बरड़िया, सभाध्यक्ष श्री अशोक जी संचेती, तेयुप अध्यक्ष श्री नवनीतजी छाजेड़, TPF तेलंगाना प्रभारी श्री नवीनजी सुराणा, श्री प्रसन्नजी भंडारी व श्रीमती सरोज भंडारी ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये। कन्या मंडल द्वारा स्वच्छ भारत अभियान पर सुंदर प्रस्तुति दी गयी। आभार ज्ञापन मंत्री श्रीमती अल्पना दुगड़ व संचालन कोषाध्यक्ष श्रीमती प्रेम पारख ने किया।

हैदराबाद में जोन वाइज हर माह सम्यक् सामायिक आयोजित की जाती है। साध्वीश्रीजी ने इस के अंतर्गत आध्यात्मिक गतिविधियों पर विशेष बल दिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने हैदराबाद मंडल की सराहना करते हुए उन्हें सशक्तिकरण हेतु विशेष प्रेरणा दी। अध्यक्ष रीटा सुराणा ने जोन वाइज आध्यात्मिक गतिविधियों की संक्षिप्त जानकारी दी।

बोलाराम - राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा तेलंगाना के 50 वर्ष पुराने क्षेत्र बोलाराम मंडल की संगठन यात्रा के दौरान बहनों को तत्वज्ञान सीखने पर विशेष प्रेरणा देते हुए शाखा सार संभाल की गयी। मंत्री श्रीमती दमयंती सुराणा ने सभी का स्वागत किया व मंडल की गतिविधियों की जानकारी दी। बोलाराम मंडल की अध्यक्ष श्रीमती पुष्पाजी के आकस्मिक निधन पर राष्ट्रीय अध्यक्ष ने संवेदना व्यक्त की तथा आपातकालीन स्थिति में वैधानिक प्रकिया से आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। यात्रा में हैदराबाद मंडल अध्यक्ष श्रीमती रीता सुराणा व श्रीमती सरोज भंडारी का विशेष सहयोग रहा। राष्ट्रीय अध्यक्ष के आगमन से क्षेत्र अत्यन्त उत्साहित व आह्लादित हुआ व बहनों में नवीन जोश का संचार हुआ।

गुवाहाटी - असम, बंगाल, बिहार व नेपाल स्तरीय कन्या कार्यशाला के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष व राष्ट्रीय पदाधिकारियों द्वारा गुवाहाटी क्षेत्र की संगठन यात्रा की गयी। स्थानीय बहनों द्वारा प्रेरणा गीत से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। गुवाहाटी मंडल अध्यक्ष श्रीमती विद्या कुण्डलिया ने स्वागत वक्तव्य दिया व मंत्री श्रीमती मीरा सुराणा ने मंडल की गतिविधि रिपोर्ट प्रस्तुत की। कन्या मंडल प्रभारी एवं सह प्रभारी के साथ राष्ट्रीय सहमंत्री श्रीमती रंजु लुणिया एवं रा.का.स. श्रीमती पुखराज सेठिया, श्रीमती रंजु खटेड़, श्रीमती मधु डागा, श्रीमती सीमा बैद भी संगठन यात्रा में सहयोगी रही एवं बहनों को केन्द्र की योजनाओं की जानकारी देते हुए शाखा की सार संभाल की।

इंदौर - साध्वी श्री प्रबलयशाजी के सान्निध्य में राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय प्रचार प्रसार मंत्री श्रीमती प्रभा घोड़ावत, राष्ट्रीय कन्या मंडल प्रभारी व सहप्रभारी के साथ रा.का.स. श्रीमती सरिता बरलोटा ने इंदौर महिला मंडल की संगठन यात्रा की। इंदौर महिला मंडल ने प्रेरणा गीत व स्वागत गीत से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। साध्वीश्रीजी ने विशेष प्रेरणा प्रदान करते हुए कहा कि आध्यात्मिक चेतना जागृत होने पर ही व्यक्ति जीवन में सफलता प्राप्त कर सकता है। मंडल अध्यक्ष श्रीमती साधना कोठारी ने कहा कि राष्ट्रीय टीम के आगमन से बहनों में उत्साह की लहर आयी है। पदाधिकारियों द्वारा योजनाओं की जानकारी दी गयी व मंडल की गतिविधियों को सुचारू चलाने हेतु प्रेरणा दी गयी। कार्यक्रम का संचालन व आभार ज्ञापन मंत्री श्रीमती अर्चना मेहता ने किया।

संगठन यात्रा

उदयपुर - अ.भा.ते.म.मं के तत्वावधान में आयोजित पहचान कन्या कार्यशाला के प्रथम सत्र के पश्चात् राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा, राष्ट्रीय सहमंत्री श्रीमती विजयलक्ष्मी भूरा, राष्ट्रीय ई मीडिया प्रभारी नीतू ओस्तवाल, रा.का.स. श्रीमती निर्मला चंडालिया व डॉ. श्रीमती नीना कावडिया द्वारा उदयपुर महिला मंडल की संगठन यात्रा की गयी। उदयपुर महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी कोठारी ने राष्ट्रीय पदाधिकारियों का शौर्य भूमि मेवाड़ में हार्दिक स्वागत किया। पदाधिकारियों द्वारा केन्द्र की योजनाओं व रजिस्टर रख-रखाव की विशेष जानकारी दी गयी व सारणा वारणा करते हुए बहनों की जिज्ञासाओं का समाधान दिया गया। मंत्री श्रीमती मंजु इंटोदिया ने मंडल की गतिविधियों का ब्यौरा दिया। अच्छी संख्या में बहनों की उपस्थिति राष्ट्रीय टीम के आगमन पर उत्साह दर्शा रही थी। राष्ट्रीय अध्यक्ष के क्षेत्र की सार संभाल से बहनों में नया जोश दिखाई दिया।

कर्णाटक

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार उन्नति संगठन यात्रा के तहत पूर्व महामंत्री श्रीमती वीणा बैद ,कर्नाटक क्षेत्रीय प्रभारी श्रीमती सुधा नोलखा, रा.का.स. श्रीमती शशि नाहर ने बैंगलुरू के शाखा मंडलों की सार संभाल की । श्रीमती वीणा बैद ने फिजियोथेरेपी सेंटर, आ.महाश्रमण कन्या सुरक्षा सर्किल के निर्माण व युवती सम्मेलन में सहभागिता हेतु विशेष प्रेरणा सभी क्षेत्रों में दी । प्रभारी श्रीमती सुधा नौलखा ने रजिस्टर रख -रखाव व संविधान की जानकारी के साथ साथ महिलाओं और कन्याओं की शालीन वेशभूषा के बारे में विशेष रूप से बताया । श्रीमती शशि नाहर ने संस्था की सभी योजनाओं के बारे में बहनों को विस्तृत जानकारी प्रदान की ।

गांधी नगर - तेरापंथ सभा भवन में शासनश्री साध्वी श्री कंचनप्रभा जी एवं शासनश्री साध्वी श्री मंजुरेखाजी आदि ठाणा -7 की पावन सन्निधि में प्रेरणा गीत के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। मंडल अध्यक्ष श्रीमती अनिता गांधी ने सभी का भावभरा स्वागत किया । साध्वीप्रमुखाश्री जी के मंगल सन्देश का वाचन श्रीमती निर्मला गादिया ने किया । शाखा मंडल की बहनों में ऊर्जा का संचार करने वाले राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा के सन्देश का वाचन श्रीमती उर्मिला सुराणा ने किया । साध्वी द्वय ने बहनों को केन्द्रीय योजनाओं से जुड़कर केंद्र के प्रति समर्पित होकर कार्य करते हुए आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान की।

राजाजीनगर - तेरापंथ सभा भवन में आयोजित संगठन यात्रा के कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रेरणा गीत के समवेत स्वरों के साथ हुआ । मंत्री श्रीमती उषा चौधरी ने सभी का भावभरा अभिनंदन किया । साध्वी प्रमुखाश्री जी के सन्देश का वाचन सहमंत्री सुमन वेदमुथा ने किया । बहनो ने कहा की समय समय पर केंद्रीय सार संभाल से कार्यो को दुगुने जोश से संपादित करने की प्रेरणा मिलती है ।

राजराजेश्वर नगर - अमरकुंज के प्रांगण में प्रेरणा गीत के प्रेरक स्वरों के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। अध्यक्ष श्रीमती कंचन छाजेड़ ने पदाधिकारियों का स्वागत किया । साथ ही 7 स्कूलों में स्थानीय मंडल द्वारा ''निर्माण'' के कार्य की जानकारी दी ।श्रीमती शशिकला ने साध्वीप्रमुखाश्रीजी के मंगल संदेश का वाचन किया। श्रीमती लता बाफना व श्रीमती सुमन पटवारी ने विचार व्यक्त किये। रा.का.स. ने ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री कमल दुगड़ व मंत्री श्री विकास दुगड़ से फिजियोथेरेपी सेंटर शुरू करने के लिए निर्माणाधीन भवन में महिला मंडल को यथोचित स्थान उपलब्ध कराने का आह्वान किया । आभार ज्ञापन श्रीमती हेमलता सुराणा ने किया । सुंदर सूत्र संचालन श्रीमती सरोज बैद ने किया !

यशवंतपुरा - मंडल की बहनो द्वारा कार्यक्रम की मंगल शुरुआत ''हो संकल्प सत्य शिव सुंदर'' गीत के साथ की गयी। स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती अरुणा मुणोत ने सभी का शब्द सुमनों से स्वागत किया। साध्वीप्रमुखा श्री कनकप्रभाजी के मंगल आर्शीवाद रूप सन्देश को श्रीमती प्रीति मुथा ने व्यक्त किया । राष्ट्रीय अध्यक्ष के उत्प्रेरक सन्देश को श्रीमती सोनू दक ने प्रस्तुत किया । मंडल द्वारा सम्पादित कार्यो की जानकारी सहमंत्री श्रीमती लाडली मुथा ने दी ।आभार ज्ञापन श्रीमती नीतू बाबेल ने किया । राष्ट्रीय टीम के आगमन से शाखा मंडल में नया जोश दिखायी दिया।

विजयनगर - आध्यात्मिकता से ओत प्रोत 'अर्हम् भवन' में कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रेरणा गीत के साथ हुआ । अध्यक्ष श्रीमती सरोज टांटिया ने सभी का भावभरा स्वागत किया । अक्षत -कुंकुम के अक्षय भावों के साथ तिलक द्वारा स्वागत संरक्षिका श्रीमती चुकी मांडोत, परामर्शिका श्रीमती इचु पटावरी , श्रीमती मधु सेठिया ने किया । साध्वीप्रमुखाश्री जी के सन्देश का वाचन उपाध्यक्ष श्रीमती प्रेम भंसाली ने किया । राष्ट्रीय अध्यक्ष के सन्देश का वाचन संगठन मंत्री श्रीमती

सुनिता भटेवरा ने किया। कार्यक्रम में सभाध्यक्ष श्री बंसीलाल जी पितलिया, मंत्री श्री कमल जी तातेड़ की विशेष उपस्थिति रही । सहमंत्री श्रीमती उषा चिंडालिया ने आभार प्रदर्शित किया। कार्यक्रम का सुचारू रूप से संचालन श्रीमती महिमा पटवारी ने किया।

हनुमंतनगर - श्री मूलचंद नाहर के निवास स्थान पर आयोजित संगठन यात्रा संगोष्ठी का प्रारम्भ नवकार मंत्र उच्चारण के साथ हुआ । अध्यक्ष श्रीमती रेखा पोरवाल ने रा.का.स. का भावभीना स्वागत किया। मंत्री श्रीमती मंजू दक ने साध्वीप्रमुखा श्री जी के मंगल सन्देश का वाचन करने बाद मंडल की गतिविधियों से अवगत करवाया । कार्यक्रम का संचालन श्रीमती तारा कटारिया ने किया ।

टी-दासरहाली - रा.का.स. के आगमन पर हर्षित हुए महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती गीता बाबेल ने अपने स्वागतोद्गार व्यक्त किये । मंत्री सुनीता बोहरा ने मंडल द्वारा सम्पादित कार्यो की जानकारी दी। संविधान का वाचन कोषाध्यक्ष श्रीमती रत्ना मांडोत ने किया । आभार ज्ञापन सहमंत्री श्रीमती दीपिका गांधी ने किया । कार्यक्रम का सुचारू संचालन संगठन मंत्री श्रीमती नेहा चावत ने किया । कार्यक्रम में उपस्थित सभा अध्यक्ष श्री लादूलाल बाबेल और मंत्री श्री नवरत्न गांधी ने भी संगठन यात्रा के संदर्भ में अपने विचार व्यक्त किये तथा स्थानीय मंडल को सदैव सहयोग करने का आश्वासन दिया।

के .जी.एफ.- शाखा मंडलों की सार संभल करते हुए राष्ट्रीय टीम केजीएफ पंहुची । श्रद्धा के इस छोटे किन्तु उत्साही क्षेत्र की बहनों ने सभी का भाव भरा अभिनन्दन किया । अध्यक्ष श्रीमती कांता सेठिया ने स्वागत वक्तव्य दिया । श्रीमती सुमन बांठिया ने साध्वी प्रमुखाश्रीजी के प्रेरणादायी सन्देश का वाचन किया । मंच संचालन करते हुए श्रीमती कांता बांठिया ने स्थानीय मंडल की गति –प्रगति से सभी को अवगत करवाया ।

पश्चिम बंगाल

अ.भा.ते.म.मं. निर्देशानुसार उन्नति संगठन यात्रा के अंतर्गत पश्चिम बंगाल प्रभारी श्रीमती पुखराज सेठिया ने राष्ट्रीय ट्रस्टी श्रीमती मधु दुगड़, रा.का.स. श्रीमती शोभा दुगड़, श्रीमती लता गोयल, श्रीमती ज्योति जैन व श्रीमती लीना दुगड़ के साथ द्वितीय चरण में उत्तर हावड़ा, दक्षिण हावड़ा, पूर्वांचल कोलकाता, बेहाला एवं दार्जिलिंग क्षेत्र की सार संभाल की। बहनों को संविधान की जानकारी देते हुए सातों रजिस्टर के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी। क्षेत्रों में नव ऊर्जा का संचार करने हेतु केन्द्र द्वारा संचालित गतिविधियों को विस्तारपूर्वक समझाते हुए उन्हें संपादित करने हेतु विशेष प्रेरणा दी गयी। श्रीमती पुखराज सेठिया ने बहनों को तत्वज्ञान, जैन तत्व विद्या के बोल विश्लेषण कर बताये। गंगाशहर में आयोजित युवती सम्मेलन में सहभागिता हेतु विशेष आह्वान किया।

दक्षिण हावड़ा - प्रेरणा गीत के साथ बहनों ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मंडल अध्यक्ष श्रीमती शीला नाहटा एवं परामर्शिका श्रीमती पुष्पा श्यामसुखा ने राष्ट्रीय टीम का स्वागत एवं सम्मान किया। शाखा सार संभाल के साथ ही बहनों को मासिक कार्यशाला के अंतर्गत 'स्व–प्रबंधन' विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। मंत्री श्रीमती सरिता श्यामसुखा ने कार्यक्रम का संचालन किया। मंडल से श्रीमती लीला, श्रीमती सुकुमाल कोषाध्यक्ष श्रीमती संतोष आदि बहनों के साथ अच्छी संख्या में सदस्य उपस्थित थे।

उत्तर हावड़ा - कन्या मंडल व युवतियों द्वारा प्रेरक गीत के मधुर संगान से कार्यक्रम की शुरुआत की गयी। अध्यक्ष श्रीमती कंचन पारख एवं संरक्षिका श्रीमती सुमन बैद ने पदाधिकारियों का स्वागत किया। बहनों को नैतिकता, समर्पण, सेवा भाव से संगठन का नेतृत्व करते हुए मंडल को शिखर तक पहुँचाने की पदाधिकारियों द्वारा प्रेरणा दी गयी। श्रीमती अलका सुराणा ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया। मंत्री श्रीमती सीमा बैद ने आभार ज्ञापित किया। लगभग 60 बहनों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को सफलता प्रदान की।

पूर्वांचल कोलकाता - नमस्कार महामंत्र व प्रेरणागीत के समवेत स्वरों से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मंडल अध्यक्ष व रा.का.स. श्रीमती रमन पटावरी ने स्वागत वक्तव्य दिया। मंडल की सारणा वारणा करते हुए राष्ट्रीय टीम ने बहनों को तत्वज्ञान व जैन तत्व की विशेष जानकारी देते हुए उनसे जुड़ने की विशेष प्रेरणा दी। मंत्री श्रीमती प्रेम सुराणा ने आभार ज्ञापन किया। संगोष्ठी में 90 बहिनों की उपस्थिति क्षेत्र की जागरूकता व उत्साह का द्योतक थी।

संगठन यात्रा

बेहाला - नवगठित शाखा मंडल बेहाला संख्या की दृष्टि से छोटा परन्तु उमंग व उत्साह से लबरेज है। अध्यक्ष श्रीमती राखी बैद, संरक्षिका श्रीमती पुष्पा बैद ने पदाधिकारियों का भावभीना स्वागत किया। मंडल की सार संभाल लेते हुए बहनों की जिज्ञासाओं का समाधान दिया गया। केन्द्र द्वारा सदैव सहयोग का आश्वासन दिया गया। मंत्री श्रीमती वीणा पारख ने आभार ज्ञापन किया। नवीन शाखा मंडल की केन्द्र द्वारा सार संभाल से बहनों में नये जोश का संचार हुआ।

दार्जिलिंग - हिमालय की गोद में बसा प.बंगाल का दर्शनीय पहाड़ी शहर दार्जिलिंग। जहाँ 15 वर्षों से महिला मंडल सक्रिय है। तेरापंथी परिवार कम होने से सदस्याएँ कम है परंतु सभी बहनें उत्साह, उमंग से भरपूर। अध्यक्ष श्रीमती सायर देवी ने बंगाल प्रभारी श्रीमती पुखराज सेठिया का भावभरा स्वागत किया। नमस्कार महामंत्र, प्रेरणा गीत व साध्वी प्रमुखाश्रीजी के संदेश से संगोष्ठी का शुभारम्भ किया गया। लगभग 10 वर्ष बाद केन्द्र द्वारा सार-संभाल करने हेतु पहुँचने पर मंडल में नये जोश की स्फूरणा दिखाई दी। बहनों को विशेष तौर पर संविधान व गतिविधियों की जानकारी दी गयी। मंडल द्वारा वर्ष भर में आयोजित कार्यक्रमों व गतिविधियों की जानकारी मंडल मंत्री द्वारा दी गयी। तत्वज्ञ श्राविका श्रीमती पुखराज लुणिया व सभी सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही। मंडल बहुत ही सौहार्द व प्रेमपूर्ण वातावरण में कार्यरत है।

सभी क्षेत्रों में बहनों की सराहनीय उपस्थिति रही । विशेष ज्ञातव्य यह है कि सभी मंडल समर्पित भाव से जागरूकता के साथ कार्य कर रहे हैं । सभी क्षेत्रों में एक दूसरे के लिए प्रमोद भावना है ।

रास्ते की सेवा - भावना

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा 11 नवम्बर से प्रारम्भ चैन्नई तक की रास्ते की सेवा का भावना अपने अंतिम पड़ाव पर पहुँच रही है। परम पूज्य आचार्यश्री महाश्रमण जी के शुभ आशीर्वाद एवं श्रद्धेया महाश्रमणी साध्वी प्रमुखाश्रीजी की कृपा से कर्म निर्जरा के इस उपक्रम से जुड़ने का हमें सौभाग्य प्राप्त हुआ है। सेवा के इस महनीय कार्य में शाखा मंडल की बहनों ने निष्ठा व समर्पण भाव से पूर्ण जागरूकता व सक्रियता दिखाई। शाखा मंडलों ने इस महायज्ञ से जुड़कर गुरु सन्निधि का लाभ उठाया सभी साधुवाद के पात्र है।

सेवा के अंतिम दौर में शाखा मंडल **KGF** से श्रीमती कांता सेठिया, श्रीमती प्रिया बांठिया, श्रीमती नीता बांठिया, श्रीमती कांता बांठिया ने सेवा का लाभ लिया। बैंगलोर से श्रीमती शांति सेठिया, श्रीमती कंचन मुथा, श्रीमती उगम बाई चोरड़िया, श्रीमती वसंताबाई दुगड़ ने सेवा उपासना का लाभ लिया।

मैसूर मंडल से रा.का.स. श्रीमती सुधा नौलखा, श्रीमती कंचन बुरड़, श्रीमती तारा मेहर, श्रीमती उर्मिला देरासरिया, श्रीमती परस देरासरिया, श्रीमती संतोष कोठारी, श्रीमती इंद्रा कोठारी, श्रीमती पिस्ता दक एवं श्रीमती गंगाबाई पितलिया ने जागरूकता के साथ अवसर का लाभ उठा कर सेवा उपासना की।

सेलम मंडल से श्रीमती उच्छब डूंगरवाल, श्रीमती सरलादेवी लूंकड़, श्रीमती विमला डूंगरवाल, श्रीमती राजदूवी फूलफगर, श्रीमती उच्छब नाहर एवं श्रीमती गीन्नी देवी डूंगरवाल ने सक्रियता से सेवा का लाभ लिया। पंजाब जगराओ से श्रीमती उषा जैन व श्रीमती सविता जैन ने भी अपने समय का नियोजन कर सेवा का लाभ लिया।

पूज्य प्रवर के इस वर्ष के चातुर्मासिक क्षेत्र चैन्नई की महिला मंडल भी जागरूकता के साथ सेवा के इस महनीय क्रम से जुड़ी।

इसी क्रम में अंतिम ग्रुप के रूप में हासन महिला मंडल से श्रीमती जयंतिबाई सुराणा, श्रीमती प्रेमबाई गुलगुलिया, श्रीमती पदमा बरलोटा, श्रीमती विजया दोषी, श्रीमती चंद्रा छाजेड़ 3 जुलाई तक अपनी सेवाएं प्रदान कर रही है।

लगभग 8 माह तक चली रास्ते की सेवा ''भावना'' से जुड़कर शाखा मंडलों की बहनों ने जागरूकता व सक्रियता का परिचय देते हुए अपने दायित्व का निर्वहन किया। सेवा के इस महायज्ञ से जुड़ने वाली सभी बहनों के प्रति अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल हार्दिक धन्यवाद व साधुवाद प्रेषित करता है।''भावना'' उपक्रम की निर्देशका श्रीमती शोभा दुगड़, संयोजिका श्रीमती कांता तातेड़ व श्रीमती लीना दुगड़ ने सुचारू रूप से इस सेवा कार्य का संचालन किया। सभी के प्रति हार्दिक धन्यवाद व साधुवाद।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता जुलाई 2018

सन्दर्भ ग्रंथ : तेरापंथ प्रबोध 76 से 85 अर्थ सहित
तेरापंथ का इतिहास पृष्ठ संख्या 205 से 216 तक
(आख्यान से अन्तिम विहार तक)

अ. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर नीचे दिए गए शब्दों में से उचित शब्द का चयन करके दें :-

1. आगामिक ज्ञान का विषयानुवर्ती संक्षिप्त विवरणात्मक संकलन
2. जिसमें विहार के समय पुस्तकें वहन की जाती है
3. पोटी का अर्थ
4. इस आख्यान में बसंत ऋतु का वर्णन किया गया है
5. इसके तेरह अध्याय है
6. आगम ज्ञान का प्रश्नोत्तर रूप में किया गया संकलन
7. विरूदावै
8. आचार्य भिक्षु के सबसे छोटे शिष्य
9. जहाँ भीतर से सुख का स्त्रोत प्रवाहित होता है
10. आगमों के विशेष विषयों की नोंध
11. भंडोपकरण रखने का साधन
12. क्रियारत व्यक्ति आन्तरिक रूप से सदा रहता है
13. ऊणायत
14. स्वामीजी ने जन उद्‌बोधन के लिए बहुलता से उपयोग क्रिया
15. व्यक्ति विशेष के लिए अनुशासनार्थ लिखे गए व्यवस्था पत्र
16. सतयुगी
17. हेमराजजी की दीक्षा के समय स्वामीजी की उम्र वर्ष
18. संघ व्यवस्था के लिए स्वामीजी द्वारा समय-समय पर लिखे गए मर्यादा पत्र
19. घटनाओं, वार्ताओं व सूचनाओं के विवरण
20. अविनीत की दुर्बोध्यता की स्वामीजी ने तुलना की है

(विगत, झोलका, मोक्ष, कमी, लिखत-1, थोकड़ा, मुनि खेतसीजी, क्षमता, लिखत-2, प्याज, चर्चा, सत्तर, आख्यान का, मुनि रायचंदजी, तेराद्वार, सुदर्शन चरित, नांगला, गुणोत्कीर्तन, युवक, हुंडी)

ब. प्रश्नों के उत्तर दें :-

1. 71 वर्ष की अवस्था में स्वामीजी ने किन-किन पर्वतीय मार्गों को पार किया ?
2. किन तीन संतों के कारण स्वामीजी ने शुद्ध साधुपन का पालन किया ?
3. चैत्र बदी 13 सं. 1841 में स्वामीजी द्वारा रचित गद्यात्मक वाङ्मय ?

नोट : उत्तर पुस्तिका पर अपना नाम पता एवं फोन नं. अवश्य लिखें।
उत्तर महिने की 25 तारीख तक श्रीमती रमन पटावरी के पते पर अवश्य पहुँच जाए।
उत्तर फुल साइज पेज पर हाशिया छोड़ते हुए शुद्ध एवं साफ लिखें।
प्रश्न का उत्तर जितना पूछा जाए उतना ही दें।

श्रीमती रमन पटावरी
SILVER SPRING,
JBS 5 HALDEN AVENUE,
BLOCK - 1, 17-C, KOLKATA - 700105
मोबाईल : 9903518222 / 033-40620395
ई-मेल : raman.patawari@gmail.com

जून माह के प्रश्नों के उत्तर

अ. दिमागी कसरत :-

1. आमय - रोग
2. रिझवारी -बरूशीश
3. पंचम अर - कलिका
4. बधारो - छेदों
5. असद गुरु - कुगुरु
6. सिरजणहार - रचनाकार
7. यति - श्रमण
8. हाट - दुकान

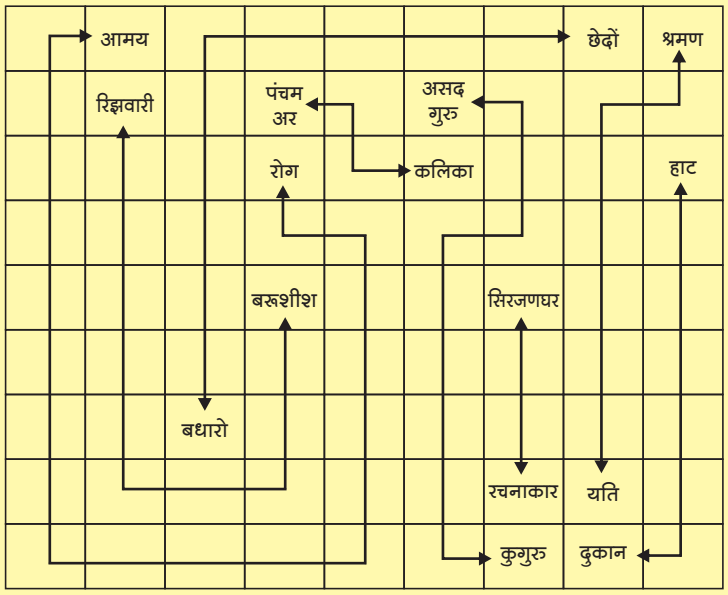

ब. वाक्य पूरा करो :-

1. ओळख्या ते गया जमारो हार।
2. सुख को ज्ञानी विषतुल्य समझते हैं।
3. फक्कड़पन उनके जीवन में सर्वत्र दृष्टिगत होते हैं।
4. मिथ्यात्व की भाड़ में भुनते रहते हैं।
5. किसी भी स्वप्न का वृक्ष बद्धमूल नहीं हो सकता।
6. सोरे-बारूद से तुलना की है।
7. जिनरिख जिनपाल का चौढ़ालिया नामक आख्यान
8. भेला, ते नाच रहना, कुबदी खेला

स. उत्तर एक शब्द में दें :-

1. साहित्य
2. सम्यक्त्व
3. बाण
4. भरभोलिया
5. दागना
6. कोकलों
7. पुण्य
8. चार
9. मारवाड़
10. सिरियारी

मई माह की प्रश्नोत्तरी के 10 भाग्यशाली विजेताओं के नाम

1. मनीषा बोथरा, इस्लामपुर
2. अंतिमा गोलेच्छा, बालोतरा
3. मंजू देवी ओस्तवाल, बालोतरा
4. निर्मला इन्टोदिया, अहमदाबाद
5. निवेदिता बाफना, आमेट
6. रूची छाजेड़, गंगाशहर
7. सुन्दर देवी बैद, अंधेरी-मुम्बई
8. लीला मरोठी, नोखा
9. अनिता सुराणा, उत्तर हावड़ा
10. प्रेम सेठिया, लुधियाना

कुल प्रविष्टियाँ - 970, सर्वाधिक उत्तर प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई बालोतरा क्षेत्र (95) से। बहुत-बहुत बधाई व साधुवाद।
अप्रैल माह के विजेता एक बार रमण पटावरी से अवश्य सम्पर्क करें।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को मिलने वाला अनुदान

1,00,000	गुवाहाटी महिला मंडल द्वारा 'भावना' चौका हेतु सप्रेम भेंट।
51,000	स्व. महेन्द्र कुमार जी छाजेड़ की पुत्रवधु श्रीमती पुष्पा हेमंत कुमार जी छाजेड़ (इंदौर) द्वारा 'भावना'' हेतु सप्रेम भेंट।
51,000	हैदराबाद महिला मंडल द्वारा 'भावना' हेतु सप्रेम भेंट।
21,000	इन्दौर महिला मंडल द्वारा 'भावना' हेतु सप्रेम भेंट।
21,000	श्रीमान सुरेन्द्रजी सुभागजी बांठिया (चुरू – हैदराबाद) द्वारा पुत्र आकाश संग भाग्यश्री के विवाह के उपलक्ष में सप्रेम भेंट।
21,000	मधु मंजु डागा (गंगाशहर – गुवाहाटी) द्वारा 'भावना' हेतु सप्रेम भेंट।
21,000	श्रीमान शांतिलालजी रंजु खटेड़ (गुवाहाटी – लाडनूं) द्वारा 'भावना' हेतु सप्रेम भेंट।
21,000	श्रीमान प्रतापजी बिमलाजी कोचर (गुवाहाटी – रतनगढ़) द्वारा 'भावना' हेतु सप्रेम भेंट।
11,000	श्रीमान मनोज मीरा सुराणा (गुवाहाटी – पडिहारा) द्वारा 'भावना' हेतु सप्रेम भेंट।
11,000	श्रीमान बसन्तजी सुराणा (गुवाहाटी – राजगढ़) द्वारा 'भावना' हेतु सप्रेम भेंट।
11,000	श्रीमान प्रेमजी मंजु जैन (गुवाहाटी – छापर) द्वारा 'भावना' हेतु सप्रेम भेंट।
11,000	श्रीमान राजेश सुचित्रा छाजेड़ (गुवाहाटी – बेलडांगा) द्वारा 'भावना' हेतु सप्रेम भेंट।
11,000	श्रीमान हीरालालजी बबीता लुणावत (गुवाहाटी – नागौर) द्वारा 'भावना' हेतु सप्रेम भेंट।
11,000	श्रीमती सुशीला रणजीत जी मालू (गुवाहाटी – छापर) द्वारा 'भावना' हेतु सप्रेम भेंट।
11,000	डॉ. श्रीमती पुखराज सेठिया (कोलकाता) द्वारा जैन विद्या पुरस्कार के उपलक्ष में सप्रेम भेंट
11,000	श्रीमान् शांतिलालजी विद्या कुण्डलिया (गुवाहाटी – राजलदेसर) द्वारा 'भावना' हेतु सप्रेम भेंट।
11,000	श्रीमती किरणदेवी आंचलिया (गंगाशहर – दिल्ली) द्वारा 'भावना' हेतु सप्रेम भेंट।
5,100	बोलाराम महिला मंडल द्वारा सप्रेम भेंट

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा सभी अनुदानदाताओं के प्रति हार्दिक आभार !

महामंत्री कार्यालय : श्रीमती नीलम सेठिया – 28/1, शिवाया नगर, 4th Cross, रेड्डीयुर, सेलम–636004, तमिलनाडु
मो. : 099524 26060 ईमेल neelamsethia@gmail.com

कोषाध्यक्ष कार्यालय : श्रीमती सरिता डागा – 45, जेम एनक्लेव, प्रधान मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर – 302 017
मो. : 094133 39841 ईमेल sarita.daga21@gmail.com

नारीलोक हेतु सम्पर्क करें : श्रीमती सौभाग बैद मो. : 080031 31111 श्रीमती भाग्यश्री कच्छारा मो. : 096199 27369
नारीलोक देखें website : www.abtmm.org